बदला

आदिवासी परिवार के पांच–छः सदस्य गांव के पास के जंगल में लकड़ी बिनने गये । लकड़ी बीनते हुए सभी एक दूसरे से कुछ दूर हो गये । तभी चौदह – पन्द्रह वर्ष की लड़की मंगली की चीख सुनकर सभी चौंक गये घबराते हुद उन्होने देखा कि शेर मंगली की ओर भागा चला आ रहा है । मंगली बचाओ बचाओ की चीख के साथ अपने को बचाने का प्रयास कर रही थी । परिवार वाले देखकर होश हवास खो बैठे । गांव वालों को पुकारते हुए वे गांव की ओर दौड़ें । तभी शेर ने झपट्टा मारकर मंगली का कमर पकड़ ली । मंगली को पलभर के लिये मौत मंड़राते हुए नजर आई । मरता क्या न करता । उसने साहस किया दोनों हाथों से शेर के ान पकड़कर पूरी ताकत के साथ उमेठ दिये । शेर इस अचानक वार के लिये तैयार नही था । उसने लड़की को छोड़ दिया ।

उस समय उपस्थित जानवरों ने एक मामूली सी लड़की से इस प्रकार शर्मनाक पराजय का कारण अपने राजा से पूछा । शोर ने बड़े षीरज के साथ उनकी बात सुनी, फिर जबाब दिया– यह सही है कि मैं पल भर में ही इस लड़की को खत्म कर देता । मैंने तो उसे छोड़ दिया । मगर जब भी आदमी को मौका मिलेगा वो नही छोड़ेगे इसे । हर बार वह ईश्वर से प्रार्थना करेगी कि इससे अच्छा होता कि उस दिन शेर ही उसे खा जाता ।....

..... सुरेश शर्मा